आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है।
चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247
E-mail : info@vandebharat24.com

जालंधर, शनिवार 08 फरवरी 2025

वंदे भारत 24

भारत के मन की बात

@vandebharat24 | vandebharat24 | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

पंजाब में नई आबकारी नीति को कैबिनेट की मंजूरी

11 हजार करोड़ जुटाने का लक्ष्य

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब सरकार ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। कर एवं आबकारी विभाग का दावा है कि नए वित्त वर्ष में आबकारी नीति से सरकार को 11020 करोड़ रुपए की आमदनी होने का अनुमान है।

पिछले साल सरकार ने 10125 करोड़ रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया था लेकिन 10200 करोड़ रुपए हासिल किए हैं। वित्त और आबकारी मंत्री हरपाल चीमा ने कैबिनेट की बैठक के बाद दावा किया कि नए साल में भी 11020 करोड़ रुपए का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

बीयर के शौकीनों की बल्ले-बल्ले

ई-टेंडरिंग के जरिए दिए जाएंगे ठेके : चीमा ने कहा कि इस बार ठेकों को ई-टेंडरिंग के जरिए दिया जाएगा जबकि पिछले साल ठेके लॉटरी के जरिए दिए गए थे। नई नीति में इस बदलाव को लेकर छोटे ठेकेदारों में रोष है। हालांकि, वे सार्वजनिक रूप से रोष नहीं जता रहे हैं।

लेकिन चीमा ने कहा कि उन्होंने एक एक ठेकेदार से कैबिनेट सब कमेटी में बात की है और सभी के बयानों को रिकॉर्ड किया है। किसी भी ठेकेदार के नाराज होने की बात सही नहीं है क्योंकि हमने सारा काम पारदर्शी ढंग से किया है। नई आबकारी नीति में 207 ग्रुप बनाए गए हैं और हर ग्रुप का साइज 40 करोड़ रुपए रखा गया है।

उन्होंने बताया कि यह क्षेत्रों का देखते हुए 25 प्रतिशत कम या ज्यादा किया जा सकता है। यानी अगर कहीं गहन आबादी है तो इसे बढ़ाया जा सकता है और कम है तो इसे घटाया जा सकता है।

बढ़ाए जाएंगे बीयर के ठेके

युवाओं का बीयर प्रेम देखते हुए इस साल सरकार ने बीयर के ठेकों को बढ़ाने का फैसला लिया है। साथ ही इनकी फीस में भी कमी कर दी है। पहले यह फीस दो लाख रुपए प्रति दुकान थी जिसे कम करके 25 हजार रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कहा कि पिछले साल 35 ऐसी दुकानों से शुरुआत की गई थी लेकिन अब इनकी गिनती बढाई जाएगी। इसके अलावा फार्म हाउस में शराब रखने के लाइसेंस में 12 बोतलों से बढ़ाकर इसे 36 कर दिया है। शराब पर पर लगे गौ सैस को एक रुपए प्रति प्रूफ लीटर से बढ़ाकर 1.50 रुपए प्रति प्रूफ लीटर कर दिया है। उन्होंने बताया कि पहले यह 16 करोड़ रुपए एकत्रित होता था जिससे 24 करोड़ मिलेंगे।

नए आबकारी थाने स्थापित करने को मंजूरी

वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने बताया कि पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से आने वाली शराब को रोकने के लिए सरकार नए आबकारी स्थापित करने जा रही है जिसे आज कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। हमें यह कितने चाहिए, यह तय करने के लिए एक अंतर विभागीय कमेटी का गठन किया गया है जिसमें आबकारी विभाग के अलावा पुलिस और अन्य विभाग के अधिकारी भी लिए जाएंगे जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

पटियाला की लेडी ड्रग्स तस्कर रिंकी के घर पर चला बुलडोजर, 10 FIR हैं दर्ज

जालंधर(अंशु कपूर) :पंजाब की भगवंत मान सरकार ड्रग्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने वादे को अंजाम दे रही है। इसी कड़ी में पंजाब पुलिस ने वार ऑन ड्रग्स मुहिम के तहत गुरुवार को पटियाला में बड़ी करवाई की। यह कार्रवाई पटियाला की लेडी ड्रग्स तस्कर रिंकी के घर पर की गई है। बता दें कि रिंकी के ऊपर ड्रग्स बेचने के मामले में 10 एफआईआर दर्ज हैं। साथ ही रिंकी ने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा कर एक दो मंजिला घर बनाया था, जिसे पुलिस ने बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है।

जेल में बंद है रिंकी : जानकारी के मुताबतिक, पंजाब पुलिस ने पटियाला की लेडी ड्रग तस्कर रिंकी से जुड़े एक अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ड्रग तस्कर रिंकी पिछले कई सालों से ड्रग तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल थी और उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी अवैध गतिविधियों के संबंध में कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। बताया जा रहा है कि रिंकी के जिस घर पर बुलडोजर चलाया गया है वह भगवान वामन अवतार मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाया गया था। फिलहाल रिंकी जेल में बंद है।

इससे पहले लुधियाना में हुई थी कार्रवाई : बता दें कि इससे पहले मंगलवार (25 फरवरी) को देर रात पंजाब पुलिस की एक टीम ने एक कुख्यात ड्रग तस्कर सोनू के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था। पंजाब पुलिस ने तलवंडी इलाके में यह कार्रवाई की थी।

बुधवार को पंजाब पुलिस ने एक वीडियो जारी कर इस मामले की जानकारी साझा की थी। जिसमें बताया गया था कि तलवंडी के ड्रग माफिया सोनू के घर को गिरा दिया गया है। सोनू 3 साल से ड्रग तस्करी में शामिल था और उसके खिलाफ पंजाब के विभिन्न थानों में 6 एफआईआर दर्ज हैं। इन्हीं एफआईआर के मद्देनजर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

पुलिस ने बुलडोजर से गिराया घर

जब पुलिस सोनू के घर पर कार्रवाई करनी पहुंची तो उसके घर के मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। घर में कोई भी परिवार सदस्य मौजूद नहीं था। जानकारी के मुताबिक, परिवार के लोग मालपुर गांव में शादी में शामिल होने के लिए गए हुए थे। पुलिस ने मौके पर किसी से कोई बात नहीं की और कुछ देर में जेसीबी मशीन से घर गिरा दिया और वापस चली गई। जब घर गिराया जा रहा था तो आस-पास के लोग मौके पर मौजूद थे।

मुहिम को 'वार ऑन ड्रग्स' दिया नाम : बता दें कि पंजाब पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद सरकार ने इसे वॉर ऑन ड्रग्स मुहिम का नाम दिया है। पंजाब पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि WAR ON DRUGS के तहत पंजाब सरकार के आदेश पर यह बड़ी कार्रवाई की गई है। साथ ही पुलिस ने ड्रग्स बेचने वालों को चेतावनी दी है कि अगर कोई भी तस्करी करता मिलेगा तो उसके खिलाफ भी ऐसी कार्रवाई की जाएगी।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR
HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा
हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

परिवार के लिए पैसा कमाने दुबई गया था गुरप्रीत, सड़क हादसे में चली गई जान

जालंधर (हर्ष शर्मा) : कपूरथला के गांव डडविंडी वासी एक युवक की दुबई में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। मृतक की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र जसविंदर लाल वासी डडविंडी के रूप में हुई है। मृतक के पिता जसविंदर लाल के अनुसार उसका बेटा गुरप्रीत सिंह लगभग करीब 9 साल पहले रोजी-रोटी कमाने और अपना भविष्य सुधारने के लिए दुबई गया था। वह वहां टैक्सी द्वारा कंपनियों में पार्सल (टिफिन) पहुंचाने का काम करता था।

उन्होंने यह भी बताया कि दो दिन पहले उन्हें गुरप्रीत सिंह के चाचा हरजिंदर सिंह, जो दुबई में काम करते हैं, का फोन आया कि गुरप्रीत सिंह की कंपनी में पार्सल पहुंचाते समय ट्राले से टकराने से मौके पर ही मौत हो गई है।

मृतक गुरप्रीत सिंह अपने पीछे माता-पिता, पत्नी व दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है। परिजनों के अनुसार मृतक गुरप्रीत सिंह का शव उसके चाचा हरजिंदर सिंह कानूनी कार्रवाई के बाद शुक्रवार तक भारत लाएंगे।

शेयर बाजार में निवेशकों के 3.5 लाख करोड़ डूबे, एक्सपर्ट ने दी चेतावनी

जालंधर (हर्ष शर्मा) : भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सीमित दायरे में बंद हुए, निवेशकों में सतर्कता का रुख हावी रहा। कारोबार के अंत में ऑटो और पीएसयू बैंक सेक्टर में भारी बिकवाली देखी गई। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 10.31 अंक या 0.01 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,612.43 पर बंद हुआ। इंडेक्स ने 74,834.09 के इंट्रा-डे हाई को छुआ था, लेकिन बंद होने से पहले 74,520.78 का निचला स्तर भी देखा।

निफ्टी इंडेक्स 2.50 अंक या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,545.05 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान इंडेक्स 22,613.30 और 22,508.40 के बीच कारोबार करता रहा। निफ्टी दिनभर सीमित दायरे में रहा और फिर सपाट बंद हुआ। ऊंचे स्तरों पर भी विक्रेता बाजार पर हावी रहे। एलकेपी सिक्योरिटीज के रूपक दे ने कहा, निचले स्तर पर 22,500 का स्तर सपोर्ट के तौर पर बना हुआ है, ठीक वैसे ही जैसे कुछ दिन पहले 22,800 का स्तर था। हमें उम्मीद है कि निफ्टी 22,200 की ओर गिरेगा और अगर यह 22,500 से नीचे गिरता है तो यह और नीचे जाएगा। निफ्टी बैंक 135.45 अंक या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 48,743.80 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 565.40 अंक या 1.14 प्रतिशत गिरकर 49,136.75 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 252 अंक या 1.64 प्रतिशत गिरकर 15,156.60 पर बंद हुआ।

निवेशकों के 3.57 लाख करोड़ डूबे बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज 27 फरवरी को घटकर 392.91 लाख करोड़ रुपये पर आ गया, जो इसके पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार 25 फरवरी को 396.48 लाख करोड़ रुपये रहा था। इस तरह BSE में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप आज करीब 3.57 लाख करोड़ रुपये घटा है। या दूसरे शब्दों में कहें तो निवेशकों की संपत्ति में करीब 3.57 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा, जोमैटो, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और टाइटन टॉप गेनर्स थे। वहीं, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और एनटीपीसी टॉप लूजर्स थे। निवेशक बाजार की दिशा को लेकर अनिश्चित रहे, जिससे इक्विटी में भागीदारी कम रही। रुपया भारी उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद 87.17 के करीब स्थिर रहा, जो 87.54 तक कमजोर हुआ, फिर 87.10 पर पहुंच गया। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट (कमोडिटी एंड करेंसी) जतिन त्रिवेदी ने कहा, सेशन न्यूट्रल नोट पर समाप्त हुआ, क्योंकि डॉलर इंडेक्स सीमित दायरे में रहा और एफआईआई की बिकवाली को डीआईआई प्रवाह ने रोक दिया, जिससे सेकेंडरी बाजार स्थिर हो गया। उन्होंने कहा कि आगे चलकर रुपये की चाल वैश्विक संकेतों, डॉलर की गति और तेल की कीमतों के रुझान पर निर्भर करेगी। एक्सपर्टस ने निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

हल्की बूंदाबांदी से बदला मौसम, काले बादलों और ठंडी हवाओं से बढ़ी ठंडक

जालंधर (पंकज शर्मा) : पंजाब में वीरवार सुबह मौसम बदल गया। कई जिलों में हल्की बरसात से ठंडक बढ़ गई। मोगा में सुबह 4 बजे बरसात हुई। लगभग पूरे प्रदेश में काले बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। इसके साथ ओलावृष्टि होगी और बारिश हो सकती है।

विभाग ने बारिश से तापमान में 4 से 5 डिग्री की गिरावट आने की आशंका जताई है। इसके बाद एक व तीन मार्च को पंजाब में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश पड़ सकती है, जबकि दो मार्च को मौसम शुष्क बना रहेगा। बुधवार को भी पंजाब में कुछेक जगहों पर हल्की बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली से भगाई आपदा अब पंजाब पर मंडरा रही, सिसोदिया बना रहे शराब नीति; मान की नींद उड़ी

जालंधर (पवन कश्यप) : पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा निशाना साधा है। वीरवार को अपने एक्स पर एक वीडियो शेयर कर जाखड़ ने कहा कि दिल्ली से भगाई आपदा अब पंजाब पर मंडरा रही है। बीते कुछ दिनों से जिस प्रकार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पंजाब में बने हुए हैं उससे मुख्यमंत्री भगवंत मान को नींद तक नहीं आ रही है और उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है।

जाखड़ ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि पंजाब की नई शराब नीति मनीष सिसोदिया तैयार कर रहे हैं, इस नई शराब नीति पर आज कैबिनेट की बैठक में ड्राफ्ट पर चर्चा हुई है और इसे लगभग फाइनल कर दिया गया है। जाखड़ ने कहा कि उन्हें अब सीएम मान और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की चिंता है। क्योंकि दिल्ली में जो शराब नीति बनाई गई थी, उसी के तर्ज पर अब पंजाब में नई शराब नीति बनाई जा रही है।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की अचानक बिगड़ी तबीयत, 103 डिग्री बुखार, डॉक्टर कर रहे निगरानी

जालंधर (अंशु कपूर) : पिछले 93वें दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बुधवार देर रात लगभग 12 बजे अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ी। तेज बुखार और ज्यादा ठंड लगने की वजह से कंपकंपी आने की समस्या आ रही थी। मौके पर मौजूद डॉक्टरों की टीम के प्रयासों की वजह से 2 घंटे में स्थिति सामान्य हो पाई है। इससे पहले किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का बुधवार सुबह से ही स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा था। बुधवार सुबह 5 बजे डल्लेवाल को तेज बुखार (103.6) हो गया था। डॉक्टरों की टीम मौके पर मौजूद रही और किसान नेता के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए थी।

पिछले 2 दिनों से हालत खराब, ब्लड प्रेशर बढ़ा : पिछले दो दिन से उनकी हालत खराब हो रही है। ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है, सुबह पांच बजे अचानक उन्हें 103 डिग्री बुखार चढ़ गया। ऐसे में वहां मौजूद डॉक्टरों की टीम में भगदड़ मच गई और उन्होंने ट्रीटमेंट शुरू कर दिया, लेकिन डल्लेवाल का बुखार की वजह से हाथ सूज गया।

पिछले दो दिन से उनकी हालत खराब हो रही है। ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है, बुधवार सुबह पांच बजे अचानक उन्हें 103 डिग्री बुखार चढ़ गया। ऐसे में वहां मौजूद डॉक्टरों की टीम में भगदड़ मच गई और उन्होंने ट्रीटमेंट शुरू कर दिया, लेकिन डल्लेवाल का बुखार की वजह से हाथ सूज गया।

ड्रिप लगाने के लिए नहीं मिल रही नस

बुखार उतारने के लिए माथे पर ठंडे पानी की पट्टी रखी गई। ड्रिप लगाने के लिए बाजू की नस भी नहीं मिल रही है। ऐसे में कुल मिलाकर जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत को लेकर डॉक्टर और किसान संगठन चिंता में हैं। किसान नेता काका सिंह कोटड़ा व अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि डल्लेवाल का

बुखार उतारने के लिए ठंडे पानी की पट्टियां माथे पर रखी गई थी, जिससे उनको आराम मिला। इसके बाद नस में ड्रिप लगाने की कोशिश की, परन्तु नस नहीं मिली। नेताओं ने केंद्र सरकार से मांग की कि किसानों की मांगों को मानकर डल्लेवाल की जान बचाई जाए।

मंगलवार को भी बिगड़ा था स्वास्थ्य

इसस पहले मंगलवार को खनौरी किसान मोर्चे पर आमरण अनशन के 92वें दिन जगजीत सिंह डल्लेवाल का स्वास्थ्य ज्यादा बिगड़ गया। उस समय उनका ब्लड प्रेशर 176/107 तक पहुंच गया। इसके बाद किसान मोर्चे पर मौजूद डॉक्टरों की टीम ने डल्लेवाल का ट्रीटमेंट किया, तब जाकर उनका ब्लड प्रेशर स्थिर हुआ।

डॉक्टरों द्वारा लगातार डल्लेवाल के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि अनशन के दौरान डल्लेवाल ने अन्न का सेवन नहीं किया है, जिससे उनकी सेहत कमजोर होती जा रही है। केंद्र सरकार को किसानों की एमएसपी गारंटी कानून सहित अन्य मांगों को जल्द पूरा करना चाहिए क्योंकि एक वर्ष से किसान बॉर्डरों पर मोर्चा लगाए बैठे हैं।

लुधियाना-फिरोजपुर हाईवे पर ढाबे के बाहर फायरिंग, कार से आए युवकों ने दागी गोलियां

जालंधर (जसप्रीत सिंह) : शिवरात्रि के मौके पर जगरांव में पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मंदिरों समेत पूरे शहर में नाकाबंदी की गई थी। इसके बावजूद बुधवार देर रात एक बड़ी घटना सामने आई।

लुधियाना-फिरोजपुर हाईवे पर स्थित एक नामी ढाबे के बाहर दो युवकों ने दहशत फैलाने की कोशिश की। कार में सवार युवक पहले ढाबे से आगे निकल गए। फिर वापस लौटकर कार से उतरे और दोनों हाथों में रिवॉल्वर लेकर हवाई फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से ढाबे के कर्मचारियों में दहशत फैल गई। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है। कार सवार दोनों युवकों ने दोनों हाथों में दो दो रिवाल्वर पकड़े हुए थे जिन से वह फायर कर रहे थे। थाना सिटी के इंचार्ज सुखविंदर सिंह ने बताया कि फायरिंग के बाद आरोपी कार में बैठकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की।

इससे कार का नंबर मिल गया है। पुलिस को आशंका है कि यह घटना रंगदारी के लिए दहशत फैलाने की नीयत से की गई है। जांच अधिकारी सुखविंदर सिंह ने बताया कि कार नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

क्या है 'मेडल लाओ नौकरी पाओ' स्कीम? खिलाड़ियों को A और B ग्रुप की नौकरियां देगा चंडीगढ़ प्रशासन

जालंधर (हर्ष शर्मा) : नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर मेडल लाने वाले चंडीगढ़ के खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों की तर्ज पर अब खेलों में शहर का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को ग्रुप ए और बी की नौकरी देने की तैयारी है।

चंडीगढ़ प्रशासक और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने खेल विभाग को खिलाड़ियों को ए और बी ग्रेड की नौकरी देने के लिए पॉलिसी बनाने के निर्देश दिए हैं।

मेडल लाओ नौकरी पाओ स्कीम के तहत मिलेगी नौकरी : मेडल लाओ नौकरी पाओ स्कीम के तहत खिलाड़ियों को चंडीगढ़ के विभिन्न विभागों में नौकरी मिल सकेगी।

चीफ सेक्रेटरी ने खेल सचिव प्रेरणा पुरी की अगुवाई में पॉलिसी तैयार करने के निर्देश दिए है जोकि अंतराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल विजेताओं के लिए अच्छे रैंक की नौकरियों को लेकर पॉलिसी ड्राफ्ट तैयार करेंगे सूत्रों अनुसार खेल विभाग ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है।

पंजाब हरियाणा के अलावा कमेटी ने जम्मू एंड कश्मीर और अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में खिलाड़ियों को दी जाने वाली नौकरी की पॉलिसी को खंगालना शुरू कर दिया है।

खेल विभाग हर साल पांच हजार से अधिक खिलाड़ियों को शहर के 20 के करीब विभिन्न स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में ट्रेनिंग की सुविधा देता है। लेकिन अधिकतर

नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर पहुंचने वाले खिलाड़ी चंडीगढ़ के इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रयोग करने के बावजूद दूसरे राज्यों की टीमों से खेलते हैं।

इसका सबसे बड़ा कारण यूटी प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को नौकरी की कोई गारंटी नहीं दी जाती। नौकरी को लेकर नई पॉलिसी के बाद ओलिंपिक,एशियन,कॉमनवेल्थ और वर्ल्ड कप जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में मेडल विजेताओं को प्रशासन की ओर से सीधे नौकरी ऑफर कर दी जाएगी।

मार्च के अंत तक पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करेगी कमेटी

खेल सचिव की अगुवाई में खिलाड़ियों के लिए तैयार हो रही पॉलिसी को डायरेक्टर स्पोर्ट्स सौरभ कुमार अरोड़ा, ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ.महेंद्र सिंह के अलावा लीगल एडवाइजर और खेल विशेषज्ञों को भी कमेटी में शामिल किया गया है।

प्रशासक कटारिया की ओर से कमेटी को एक महीने के भीतर पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सब सही रहा तो खेल विभाग 31 मार्च तक ग्रुप ए और ग्रुप बी की नौकरियों के लिए पॉलिसी के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दे देगा।

पॉलिसी का लाभ सिर्फ चंडीगढ़ से खेलने वालों को ही मिलेगा। इसके लिए भी खिलाड़ी का निर्धारित वर्षों तक चंडीगढ़ से खेलना अनिवार्य होगा।

मेडल जीतने पर हरियाणा पंजाब में डीएसपी

हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी बड़े आयोजन में मेडल विजेताओं के लिए खेल पॉलिसी में ही गांरटी दी हुई है। इन राज्यों में पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर से लेकर डीएसपी, खेल विभाग में जूनियर कोच से लेकर डिप्टी डायरेक्टर तक की जाब ऑफर की जाती है।

इन राज्यों द्वारा अन्य विभागों में भी तीन से पांच प्रतिशत कोटा खिलाड़ियों के लिए रिजर्व रखा हुआ है। उधर चंडीगढ़ प्रशासन किसी भी स्तर पर मेडल विजेता को अधिकतम कॉन्स्टेबल स्तर की नौकरी ही ऑफर करता है। 2024 में चंडीगढ़ पुलिस विभाग में खेल कोटे के 45 कान्स्टेबल पद पर नियुक्ति की गई है।

नई पॉलिसी के बाद खिलाड़ियों को गजेटेड (ऑफिसर स्तर) की नौकरी मिल सकेगी। पॉलिसी ड्राफ्ट को प्रशासक से मंजूरी के बाद केंद्र सरकार के पास अंतिम मुहर लगाने के लिए भेजा जाएगा। सूत्रों अनुसार अगस्त में खेल दिवस पर नई पॉलिसी को प्रशासक जारी कर सकते हैं।

11.50 करोड़ स्कॉलरशिप को कमेटी ने दी मंजूरी

खेल विभाग की नई स्पोर्ट्स नीति के तहत स्टेट और नेशनल स्तर पर मेडल विजेताओं को मिलने वाली स्कॉलरशिप 15 मार्च से पहले जारी हो जाएगी। सूत्रों अनुसार खेल विभाग ने करीब 2821 खिलाड़ियों को 11.50 करोड़ की स्कॉलरशिप को कमेटी ने अप्रूवल दे दिया है।

स्कॉलरशिप से जुड़ी फाइल को यूटी सचिवालय से मंजूरी मिलते ही कैश खिलाड़ियों के अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएगा। नई स्कॉलरशिप स्कीम में खिलाड़ियों को चार से पांच गुणा अधिक कैश अवॉर्ड मिलेगा। खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी है जिसमें यूटी प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे। यह कार्यक्रम पंजाब राजभवन में होने की उम्मीद है।

खतरे में चंडीगढ़ की ऐतिहासिक धरोहर! रॉक गार्डन की दीवार तोड़ने पर मचा बवाल; प्रशासन ने रोका काम

जालंधर (पवन कश्यप) : विश्व धरोहर रॉक गार्डन के फेज-3 के गेट और वहां पर बनी दीवार को गिराए जाने का मामले पर लोगों का विरोध जारी है।

उधर लोगों के प्रदर्शन को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग ने भी मुख्य दीवार को तोड़ने का काम रोक दिया है। लेकिन रॉक गार्डन के अंदर बुधवार को भी खुदाई के काम जारी है। ठेकेदार की ओर से दो जेसीबी को सड़क चौड़ा करने के लिए चिह्नित जगह की खुदाई लगातार जारी है।

प्रशासन ने निकाला बीच का रास्ता

प्रशासन के अधिकारियों ने समाज सेवी संस्थाओं और रॉक गार्डन के लिए प्रदर्शन करने वाले लोगों के विरोध को देखते हुए अब बीच का रास्ता निकाला है। जानकारी के अनुसार फिलहाल रॉक गार्डन के अंदर का काम पहले की तरह जारी रहेगा। लेकिन दीवार को तोड़ने को लेकर प्रशासन के अधिकारियों की ओर से निर्देश जारी होने के बाद ही आगे का काम होगा। प्रशासन ने भी पहले दीवार के अंदर के एरिया के काम को खत्म करने का फैसला लिया है।

बनाई जानी हैं दो नई दीवार, लोगों ने सोशल मीडिया पर शुरू की कैंपेन

दो नई दीवार बनाई जानी है पहले उसे तैयार किया जाएगा। बुधवार को भी नए स्ट्रक्चर के लिए खुदाई लगातार जारी रही। बीते रविवार को रॉक गार्डन निर्माता नेकचंद द्वारा तैयार रॉक गार्डन के हिस्से को तोड़ने के खिलाफ शहर के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। लोग बैनर और पोस्टर लेकर रॉक गार्डन के सामने पहुंच गए। कई लोगों ने इस अभियान के खिलाफ सोशल मीडिया पर भी कैंपेन शुरू कर दी, जिसमें ऑनलाइन सिग्नैचर कैंपेन भी शामिल था। चार हजार से अधिक लोग इसके विरोध में जुड़ चुके हैं। उधर मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर करने की जानकारी मिली है, जिसके बाद चंडीगढ़ प्रशासन बैकफुट पर है।

उम्मीद है कि प्रशासन की ओर से सुप्रीम कोर्ट से भी क्लीयरेंस मिलने के बाद रॉक गार्डन के मामले में कोई अंतिम फैसला लिया जाए। वैसे पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद ही हाईकोर्ट के आसपास बढ़ते ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए रॉक गार्डन के कुछ हिस्से को तोड़ने का आदेश दिया गया था। यूटी प्रशासन इस हिस्से को रॉक गार्डन का नहीं मानता, जबकि रॉक गार्डन निर्माता नेकचंद के बेटे अनुज सैनी भी प्रशासन के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

पंजाब के स्कूलों में एक मार्च से बदल जाएगी टाइमिंग, जानें क्या होगा नया शेड्यूल

जालंधर (अंशु कपूर) : पंजाब के सभी सरकारी व निजी स्कूलों में एक मार्च से समय में बदलाव हो जाएगा। एक मार्च से ग्रीष्मकालीन समय शुरू लागू किया जाएगा। इसके अनुसार प्राइमरी के सभी स्कूल सुबह 8:30 से 2:30 बजे तक लगेंगे, जबकि मिडिल व हाई स्कूल 8:30 से 2:50 बजे तक चलेंगे। अभी प्राइमरी स्कूलों का समय 9:00 से 3:00 बजे तक है, जबकि मिडिल व हाई स्कूलों का समय सुबह 9:00 से शाम 3:20 बजे तक है।

स्कूलों में ऐसे लगेंगे पीरियड : नए समय के अनुसार सुबह की प्रार्थना सभा 8:30 बजे शुरू होगी। स्कूल में पहला पीरियड 8:55 से 9:35 तक, दूसरा पीरियड 9:35 से 10:15 तक, तीसरा पीरियड 10-15 से 10-55 तक, चौथा पीरियड 10:5 से 11:35 तक और पांचवां पीरियड 11:35 से 12:15 तक रहेगा। इसके बाद 12:15 से 12:50 तक आधे दिन की छुट्टी होगी। इसके बाद छठा पीरियड 12:50 से 1:30 तक, सातवां पीरियड 1:30 से 2:10 तक, आठवां पीरियड 2:10 से 2:50 बजे तक चलेगा। इसके बाद मिडिल और हाई स्कूल के बच्चों की छुट्टी हो जाएगी।

शिक्षा नीति को लेकर भी बवाल

पंजाब में नई शिक्षा नीति को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। नई शिक्षा नीति के तहत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से नई शिक्षा नीति लागू करके क्षेत्रीय भाषाओं को हाशिए पर डालने की सोची-समझी साजिश की जा रही है। लेकिन राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर राज्य भर के सभी स्कूलों में पंजाबी को अनिवार्य मुख्य विषय बना दिया है, चाहे वह स्कूल किसी भी शैक्षिक बोर्ड से संबंधित हो जो स्कूल पंजाबी को मुख्य विषय के रूप में नहीं पढ़ाते हैं, उनके प्रमाण पत्रों को मान्यता नहीं दी जाएगी।

क्या बोले पंजाब के शिक्षा मंत्री : वहीं, इस मामले में शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सीबीएसई के नए परीक्षा पैटर्न का कड़ा विरोध किया। बैंस ने कहा कि पंजाबी देश के अन्य राज्यों में भी बोली और पढ़ी जाती है, जो पंजाब की सीमाओं से परे इसके महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पंजाबी केवल एक भाषा नहीं बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जिसे देश भर में लाखों लोग बोलते और पसंद करते हैं।

अमेरिका और इजरायल की बढ़ी धड़कन, ईरान बना सकता है 6 न्यूक्लियर बम, मिडिल-ईस्ट में बदलेगा पॉवर बैलेंस?

जालंधर (हर्ष शर्मा) : शिया देश ईरान तेजी से परमाणु बम बनाने की ओर आगे बढ़ रहा है। इजरायल और अमेरिका से सीधी दुश्मनी मोल लेने वाले ईरान के इस कदम ने अमेरिका और इजरायल की धड़कनें बढ़ा दी हैं। अमेरिका को यह मालूम है कि ईरान यदि परमाणु संपन्न बन गया तो उस पर दबाव बनाना इतना आसान नहीं रह जाएगा। इजरायल जो अभी ईरान से ज्यादा पॉवर रखता है, ईरान के परमाणु बम बनाने के बाद पॉवर बैलेंस भी बदल जाएगा।

अमेरिका और इजरायल के साथ चल रही तनातनी के बीच ईरान जल्द से जल्द परमाणु बम बनाने की कोशिश में जुटा है। इस बात का खुलासा खुद संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशनल आटोमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए ने किया है। IAEA ने स्पष्ट किया है कि ईरान ने न्यूक्लियर बम बनाने लायक यूरेनियम का जखीरा 50 प्रतिशत बढ़ा दिया है। इस एजेंसी का कहना है कि ईरान एक-दो नहीं बल्कि 6 परमाणु बम बना सकता है।

ईरान को रास नहीं आई इंटरनेशनल बेइज्जती : अमेरिका ने हाल के समय में ईरान को डिप्लोमेटिक तौर पर और हवाई हमलों में ईरान के कमांडरों को मौत के घाट उतारकर जो नुकसान पहुंचाया है, उसे ईरान इंटरनेशनल बेइज्जती के तौर पर ले रहा है और पिछले एक साल में परमाणु बम बनाने में प्रयुक्त यूरेनियम के भंडार में भारी वृद्धि की है। अमेरिका की चुनौती यह है कि वह ईरान को परमाणु बम बनाने से रोके, लेकिन उसके पास ऐसा करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं बचा है।

...तो फिर क्या करेंगे अमेरिका और इजरायल?

अमेरिका और इजरायल बिल्कुल नहीं चाहेंगे कि ईरान परमाणु बम बनाए। विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका और इजरायल ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को निशाना बना सकते हैं, इसके लिए बाकायदा तैयारी की जा चुकी है।

ईरान परमाणु बम बनाने से सिर्फ एक कदम दूर

ईरान ने परमाणु कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है और ब तक 60 फीसदी यूरेनियम का जखीरा एकत्र कर लिया है। न्यूक्लियर बम बनाने के लिए उसे 90 फीसदी यूरेनियम एकत्र करने की जरूरत है। इस स्तर तक पहुंचने के लिए ईरान को ज्यादा समय नहीं लगेगा। वह न्यूक्लियर बम बनाने से सिर्फ एक कदम दूर है। अमेरिका और इजरायल को इसी बात की चिंता है।

एक साथ बना सकता है कई न्यूक्लियर बम

IAEA प्रमुख राफेल मेरियानो ग्रोसी ने पहले आशंका जाहिर कर दी थी कि ईरान के पास पर्याप्त मात्रा में हथियार-ग्रेड के स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम है। ईरान चाहे तो इसके उपयोग से एक साथ कई न्यूक्लियर बम बना सकता है।

ईरान ने दुनिया को क्या दिया तर्क?

ईरान ने दुनिया को तर्क दिया है कि वह परमाणु कार्यक्रम को आगे जरूर बढ़ाना चाहता है, लेकिन उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्य के लिए है।

आस्ट्रिया में स्थित इंटरनेशनल परमाणु एनर्जी एजेंसी IAEA ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान जताया कि इसी महीने यानी 8 फरवरी तक ईरान के पास 274.8 किलोग्राम यूरेनियम इकट्ठा हो चुका है।

नवंबर में आंकी गई मात्रा से यह 92.5 किलो अधिक है। IAEA ने नवंबर 2024 की रिपोर्ट में 182.3 किलोग्राम यूरेनियम और अगस्त 2024 में 164.7 किलोग्राम यूरेनियम का उत्पादन का अनुमान जताया था।

ट्रंप ने पहले कार्यकाल में ही जता दिए थे खतरनाक इरादे

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ही ईरान को अपने एग्रेसिव इरादे जता दिए थे। उनके कार्यकाल में अमेरिका ने जनवरी 2020 में ड्रोन हमला कर ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की कुद्स फोर्स का प्रमुख कासिम सुलेमानी को मार गिराया था। इसके बाद दोनों देशों में दुश्मनी और बढ़ गई। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ईरान के साथ हुए इंटरनेशनल परमाणु समझौते को तोड़ दिया था और यूएस को इससे अलग कर दिया था।

इजरायल से कैसे बिगड़े ईरान के रिश्ते?

- ईरान हमास, यमन के हूतियों व लेबनान के हिजबुल्लाह संगठन को सैन्य मदद करता है। ये संगठन ही इजरायल के दुश्मन है। इस कारण ईरान और इजरायल की सीधी दुश्मनी हो गई।
- 1990 के बाद इजरायल और ईरान के संबंधों के बिगड़ने की खासतौर पर शुरुआत हुई। क्योंकि ईरान तभी से हिजबुल्लाह और हमास के साथ अपने संबंधों को अच्छे बनाने पर जोर देता रहा।
- 2005 में महमूद अहमदीनेजाद ने राष्ट्रपति बनने के बाद इजरायल के खिलाफ लगातार बयानबाजी की, जिससे ईरान और इजरायल के रिश्तों में खटास आई।
- इसके बाद ईरान ने इजरायल के खिलाफ 2006 की जंग में हिजबुल्लाह और 2008 में हमास का साथ दिया। इस घटना से दोनों देशों के बीच तल्खी और बढ़ गई।
- 7 अक्टूबर 2023 की तारीख बहुत अहम है। इस दिन हमास के आतंकियों ने इजरायल पर तीन ओर से हमला किया और वहां के नागरिकों को बंधक बनाकर ले गए। इसके बाद इजरायल ने पलटवार किया और गाजा में जंग शुरू हो गई। इसके बाद इजरायल और ईरान एकदूसरे के कट्टर दुश्मन बन गए।

पंजाब की राजनीति में होगी अरविंद केजरीवाल की एंट्री? चन्नी के दावे से सियासी हलचल तेज, कहा- CM मान की कुर्सी को खतरा

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आम आदमी पार्टी और भगवंत मान सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार जल्द गिरने वाली है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान की कुर्सी अब सुरक्षित नहीं क्योंकि दिल्ली में चुनाव हारने के बाद अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री की कुर्सी लेने के लिए पंजाब का रुख करने वाले हैं।

सीएम मान को कुर्सी से हटा दिया जाएगा : चन्नी

विधानसभा का पट्टी के गांव केरो में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल दौरान शुरू करवाई श्री गुरु तेग बहादुर यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य बंद होने के रोष के तौर पर आयोजित रैली को संबोधन करते चन्नी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय शुरू करवाए कार्य आम आदमी पार्टी की सरकार ने बंद करवा दिए हैं और वह दिन दूर नहीं जब मुख्यमंत्री भगवंत मान को कुर्सी से हटा दिया जाएगा।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ताक पर है। नशे के कारण युवाओं की मौतें हो रही है और भगवंत मान अपने सियासी आका अरविंद केजरीवाल को खुश करने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस विधानसभा में सरकार के लिए नहीं खड़ी कर पाई चुनौती

बता दें कि इससे पहले बुधवार को पंजाब विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के दौरान विपक्षी पार्टी कांग्रेस सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के सामने कोई भी चुनौती नहीं खड़ी कर पाई। कांग्रेस ने 'पार्टी फंड' को लेकर कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ को घेरने की कोशिश तो की, लेकिन कामयाब नहीं हो पाई।

वहीं, गुरदासपुर के विधायक बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा द्वारा भ्रष्ट्राचार में लिप्त बीडीपीओ का मुद्दा उठाया तो सरकार ने बीडीपीओ को सत्र के दौरान ही सस्पेंड कर दिया। खड़ी कर पाई।

सीएम मान ने कांग्रेस पर किया पलटवार

वहीं, रही-सही कसर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरी कर दी। मुख्यमंत्री भले ही दो दिन के सत्र के दौरान मात्र 40 से 50 मिनट के लिए सदन में आए लेकिन 28 मिनट के भाषण में उन्होंने कांग्रेस को शून्य बना दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली में आम आदमी पार्टी को मिली हार के बाद कांग्रेस के विधायक (सुखपाल खैहरा) ढोल बजा रहे थे, लेकिन तीसरे चुनाव में भी उनका खाता जीरो पर ही खड़ा है।

अहम बात यह है कि विधानसभा के बाहर भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, अवैध रेत खनन, ड्रग्स आदि मुद्दों को कांग्रेस उठाती रही है, लेकिन दो दिन के अल्पकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर सरकार के समक्ष बड़ी चुनौती नहीं

केंद्र ने दिया पंजाब को झटका, अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेस-वे का एक प्रोजेक्ट किया रद्द

चंडीगढ़ - केंद्र सरकार ने पंजाब को एक ओर झटका दिया है। पंजाब में NHAI का एक और प्रोजेक्ट केंद्र द्वारा रद्द कर दिया गया है। जानकारी सामने आई है कि जमीन हासिल न होने के कारण इस प्रोजेक्ट को रद्द किया गया है। तरनतारन में भारत माला के साथ ये प्रोजेक्ट जुड़ा था। यह प्रोजेक्ट अमृतसर को अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रैस-वे के साथ जोड़ने वाला था। बाईपास सीगल कंपनी की तरफ से बनाया जाना था। एनएचएआई ने जमीन एक्वायर न होने का हवाला दिया है। ये बात सामने आई है कि किसान अधिक मुआवजे की मांग कर रहे थे और वह अपनी जिद पर अड़े हुए थे। जिसके बाद एनएचआई की तरफ से ये कदम उठाया गया।

केंद्र ने बीजेपी के 32 नेताओं की सुरक्षा हटाई, इन नेताओं के नाम है शामिल

जालंधर (हर्ष शर्मा) : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के 32 नेताओं की सुरक्षा वापस ले ली। गृह मंत्रालय की समीक्षा समिति ने एक लिस्ट जारी की। जिसमें पिछले साल लोकसभा चुनाव में हारे कुछ बीजेपी नेताओं के नाम शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला, पूर्व सांसद दशरथ तिर्की, बीजेपी नेता शंकुदेव पांडा और पूर्व आईपीएस अधिकारी देबाशीष धर उन 32 लोगों में शामिल हैं जिनकी सुरक्षा वापस ले ली गई है। तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी से हारे डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार अभिजीत दास, डायमंड हार्बर के पूर्व विधायक दीपक हलदर, लोकसभा चुनाव में बीजेपी की बोलपुर उम्मीदवार पिया साहा और जंगीपुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार धनंजय घोष जैसे नाम भी इस लिस्ट में शामिल है।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है। मोब. 97814-00247 97804-00247

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

कुदरत के निजाम के चलते मेजबान पाकिस्तान ने कटाई नाक, चैंपियंस ट्रॉफी में बेहद शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया

जालंधर (हर्ष शर्मा) : चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 9वें मुकाबले में गुरुवार को मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश क्रिकेट टीम आमने-सामने थीं। दोनों ही टीमों को अपने पहले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश को उम्मीद थी कि वह आखिरी मैच में जीत के साथ अपने अभियान का अंत करेंगी। हालांकि, कुदरत का निजाम कुछ और ही था।

बारिश में धुला मुकाबला

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच मुकाबला रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। हालांकि, मुकाबले से पहले ही बारिश शुरू हो गई। इसके बाद लगातार बारिश होती रही। ऐसे में टॉस तक नहीं हो सका। अंत में अंपायर्स ने मुकाबले को रद करने का फैसला लिया। ऐसे में दोनों टीमों को 1-1 अंक दिया गया। इस हार के साथ ही पाकिस्तान ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी बना दिया है।

पाकिस्तान ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ जब टेस्ट खेलने वाले देश को मेजबानी मिली और वह टूर्नामेंट में कोई भी मुकाबला ना जीत सका हो। केन्या एक मात्र ऐसी टीम है जिसे 2000 में मेजबानी मिली थी और वह अपने पहले ही मैच में भारत से 8 विकेट से हारकर बाहर हो गई थी। तब चैंपियंस ट्रॉफी नॉक आउट फॉर्मेट में खेली जाती थी।

टूर्नामेंट में पाकिस्तान का प्रदर्शन

टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा। मेजबान टीम को अपने पहले ही मैच न्यूजीलैंड के हाथों 60 रन से हार मिल थी।

इसके बाद भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से हुआ। भारतीय टीम ने इस हाई वोल्टेज मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से मात दी। अब पाकिस्तान और बांग्लादेश का मुकाबला बारिश के कारण रद हो गया।

टूर्नामेंट में बांग्लादेश का प्रदर्शन

बांग्लादेश को भी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में एक भी जीत नसीब नहीं हुई। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 5 विकेट से रौंदा। अब बांग्लादेश का आखिरी मैच रद हो गया है।

जालंधर में 10 साल के बच्चे की मौत, पतंग उड़ाते समय हाई-वोल्टेज तार की चपेट में आया

जालंधर (जसप्रीत सिंह) : जालंधर के ईदगाह इलाके में पतंग उड़ाते समय करंट लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान दानिश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दानिश अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था और इसी दौरान पतंग तारों में फंस गई। दानिश ने जब पतंग को हाईटेंशन तार से छुड़ाने की कोशिश की तो वह तार की जगह मुख्य तार से छू गई। जैसे ही उसने तार को छुआ वह बुरी तरह जल गया। परिजनों ने दानिश को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद पड़ोसी ने बताया कि बच्चा लोहे की पाइप से पतंग छुड़ाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन तभी हाई-टेंशन तार के संपर्क में आने से उसे करंट लग गया, जिसका पता हम सभी को तब चला जब वह नीचे गिरा। हम दौड़कर उसे उठाने गए तो पता चला कि वह बुरी तरह जल चुका था।

पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर मालवा एक्सप्रेस में लावारिस बैग मिला, बरामद हुई पांच पिस्टल और दस मैगजीन

जालंधर (जसप्रीत सिंह) : पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा जांच के दौरान मालवा एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में एक संदिग्ध लावारिस बैग मिला। जब रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम ने बैग की जांच की, तो उसमें से पांच पिस्टल और दस मैगजीन बरामद हुईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा एजेंसियां भी इस मामले की तह तक जाने के लिए जांच में जुट गई हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह हथियार कहां से आए और इन्हें कहां ले जाया जा रहा था।

रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध बैग मिलने की खबर के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और जल्द ही दोषियों को पकड़ा जाएगा।

जालंधर मे सरकारी बस के चपेट में आया बच्चा

जालंधर(अंशु कपूर) : पंजाब के शहकोट में शिवरात्रि के दिन एक बड़ा हादसा हो गया। जिसमें पंजाब रोडवेज़ बस ने एक बच्चे को टक्कर मार दी। बच्चे का नाम मनिन्दर सिंह है, जिसका इलाज नकोदर के सिवल अस्पताल मे चल रहा है।

महाशिवरात्रि के दिन हुआ हादसा

बता दे की ये हादसा शिवरात्रि के दिन हुई। जानकारी के अनुसार बच्चा मनिन्दर सिंह अपने माता-पिता के साथ मलसियां रोड शाहकोट से गुजर रहा था। इसी दौरान अनाज मंडी के पास महाशिवरात्रि के अवसर पर पकौड़ों का लंगर लगा हुआ था, तभी बच्चे मनिंदर सिंह ने अपने पिता को पकौड़े खाने के लिए रोक लिया।

जब बच्चा लंगर से पकौड़े लेकर अपने पिता के पास जाने के लिए अपनी मां को छोड़कर सड़क पार कर अपने पिता के पास भागने लगा। इसी दौरान मोगा से जालंधर जा रही पंजाब रोडवेज़ की बस से उसकी टक्कर हो गई और ये हादसा हो गया।

मोजूद लोगों ने नहीं की मदद

बस को ड्राइवर दर्शन सिंह चला रहा था। बस चालक ने तुरंत बस रोकी और पास खड़े लोगों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। आखिर में बच्चे को पिता की मोटरसाइकिल पर बैठाया और शाहकोट के सिविल अस्पताल ले गए, जहां डॉ. मंदीप सिंह ने घायल बच्चे को प्राथमिक उपचार देकर सिविल अस्पताल नकोदर भेज दिया।

बस पुलिस के हिरासत में

इस संबंध में SHO शाहकोट इंस्पेक्टर बलविंदर सिंह और स्ट्ड मनदीप सिंह ने मौके पर पहुंचकर बस को कब्जे में ले लिया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। एसएचओ बलविंदर सिंह ने कहा कि बच्चे के परिजनों के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247
97804-00247

ईडी अधिकारी बनकर यूनिवर्सिटी के वीसी को फंसाया, अकाउंट से 14 लाख साफ

जालंधर (हर्ष शर्मा) : साइबर फ्रॉड के कई मामले सामने आ रहे हैं। ब्रह्मपुर यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर गीतांजलि दास ने इस स्कैम के जाल में फंसकर 14 लाख रुपए गंवा दिए हैं। स्कैमर्स ने खुद को श्वष्ठ अधिकारी बताया था। 12 फरवरी को स्कैमर्स ने गीतांजलि को डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। शिकायत में बताया गया है कि स्कैमर्स ने कहा था कि उनके बैंक अकाउंट से करोड़ों रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इस मामले में उन पर कार्रवाई होगी। इसी मामले में पूछताछ की जाएगी।स्कैमर्स ने कहा कि वह डिजिटल अरेस्ट हो चुकी हैं। उन्हें रिहा करने के नाम पर 14 लाख रुपए की डिमांड की गई थी। स्कैमर्स ने पीड़िता पर इतना दबाव बनाया कि उसे मजबूरन पैसे अकाउंट में ट्रांसफर करने पड़ गे थे। कुछ समय बाद पीड़िता को लगा कि उसके साथ स्कैम हुआ है तो उन्होंने शिकायत दर्ज करवाई। साइबर पुलिस स्टेशन में 24 फरवरी को केस रजिस्टर कर लिया गया है। बहरामपुर के एसपी श्रवण विवेक ने मीडिया को बताया, मामले की जांच चल रही है। बहुत जल्द स्कैमर्स पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

बहरामपुर यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर ने कहा, कॉलर अंग्रेजी में बात कर रहा था और परिवार के लोगों को भी इसमें शामिल कर लिया था। उनके खिलाफ शिकायत आई है और उन्हें सारे पैसे ऑडिट के लिए ट्रांसफर करने होंगे। विश्वास जीतने के लिए, स्कैमर्स ने 80 हजार रुपए अगले दिन वापस कर दिए थे और बैलेंस को भी थोड़ा-थोड़ा करके वापस करने के लिए कहा गया था। जब कॉलर्स ने जवाब देना बंद कर दिया तो उन्हें लगा कि ये स्कैम है। इसके लिए उन्होंने स्न्ढ्ढक्र भी दर्ज करवाई।

क्या है डिजिटल अरेस्ट ?

डिजिटल अरेस्ट स्कैम एक तरह का साइबर फ्रॉड है। यहां स्कैमर्स खुद को श्वष्ठ अधिकारी, पुलिस, सीबीआई और इंटरपोल का अधिकारी बताते हैं। इसमें पीड़ितों का कहा जाता है कि वह मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग ट्रैफिकिंग या अवैध आर्थिक गतिविधियों में लिप्त हैं।

डिजिटल अरेस्ट से बचने के तरीके

आपके साथ भी ऐसा कोई स्कैम हो सकता है। इसके लिए आपको हमेशा जागरूक रहना चाहिए। सबसे पहले ये समझना चाहिए कि कोई भी फोन आने पर घबराए नहीं। सबसे पहले 1 मिनट का समय लेकर उस फोन को समझें। क्योंकि कभी भी कोई जांच एजेंसी फोन करके धमकाती नहीं है। बल्कि कानूनन नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाती है। स्कैमर्स लोगों की इन्हीं चीजों का फायदा उठाते हैं। यही वजह है कि किसी भी कॉल का तुरंत जवाब नहीं दें। बल्कि उसके लिए थोड़ा समय मांगें। यही एक तरीका है, जिससे आप खुद को बचा सकते हैं।

शराब पिने के शौकीनों के लिए खास ख़बर पंजाब कैबिनेट की तरफ से नई एक्साइज पॉलिसी को मंजूरी

जालंधर (अंशु कपूर) : पंजाब में आज मुख्यमंत्री भगवंत के नेतृत्व में कैबिनेट बैठक हुई । जिसमें बड़े फैसलों को मंजूरी मिली है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस के जरिए बताया कि बैठक में नई एक्साइज पॉलिसी को मंजूरी दे दी गई है। साल 2025 में सरकार ने एक्साइज पॉलिसी से 11 हजार 200 करोड़ का टारगेट रखा गया है

इस बार शराब के ठेके ई-टेंडरिंग के जरिए आवंटित किए जाएंगे। वहीं जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण में भी बदलाव किया गया है। जन्म के एक साल के अंदर बच्चे का पंजीकरण न होने पर अब परिवार को कोर्ट में जाकर आदेश पारित करवाने की जरूरत नहीं होगी। अब लोग डिप्टी कमिश्नर ऑफिस से यह काम करवा सकेंगे। वहीं अब अगर किसी व्यक्ति की बीमारी के कारण मौत होती है तो डॉक्टर को मृत्यु प्रमाण पत्र में उसकी मौत का कारण लिखना होगा।

पानी को प्रदूषित करने वालों पर 5 हजार से 5 लाख तक का जुर्माना - हरपाल चीमा

यह जानकारी पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कैबिनेट बैठक के बाद दी। उन्होंने यह भी बताया कि पानी को प्रदूषित करने वालों पर पांच हजार से पांच लाख तक का जुर्माना लगाया जाएगा। शराब पर प्रति लीटर काऊ सेस एक से डेढ़ रुपए तक बढ़ाया गया है।

देसी शराब का कोटा तीन फीसदी बढ़ाया गया है। इसके अलावा शराब तस्करी रोकने के लिए नए आबकारी थाने बनाए जाएंगे। इसके लिए एक कमेटी बनाने की अनुमति दी गई। यह कमेटी बताएगी कि ये थाने कहां खोले जाएंगे।

अगर भारत शांति प्रस्ताव रखता है तो... यूक्रेन के साथ युद्ध पर दिल्ली के रवैये की रूसी राजदूत ने की तारीफ

रूस में भारतीय युवाओं के लापता होने पर ये बोले एलिपोव

रूस में लापता भारतीय युवाओं के सवाल पर, राजदूत ने कहा कि यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। हम उनके ठिकाने की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि ये युवा अपनी यूनिट को वापस रिपोर्ट नहीं कर पाए हैं। हम उनकी तलाश कर रहे हैं और भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पिछले महीने, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि रूस ने उन्हें सूचित किया है कि 16 भारतीय, जो रूसी सेना में सेवारत थे, लापता हैं।

पुतिन के भारत दौरे की पुष्टि, जल्द फाइनल होगा शेड्यूल

MEA ने यह भी कहा कि रूसी सेना के साथ काम करने वाले 12 भारतीय अब तक मारे जा चुके हैं। राजदूत एलिपोव ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन द्वारा भारत के दौरे के निमंत्रण को स्वीकार करने की भी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि दौरे की तारीखें जल्द ही तय और घोषित की जाएंगी।

जालंधर (हर्ष शर्मा) : रूस के राजदूत डेनिस एलिपोव ने एक इंटरव्यू में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में किसी का पक्ष न लेकर भारत ने सही रास्ता चुना। उन्होंने भारत के शांति प्रस्ताव पर भी खुलकर बात की। ष्टह्ह-ह्द्2ह्य18 को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध, भारत की भूमिका, तेल की सप्लाई, रक्षा सहयोग और लापता भारतीय युवाओं जैसे कई मुद्दों पर खुलकर अपना पक्ष रखा। रूस ने भारत के शांति प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है और राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे की भी पुष्टि की गई है।

भारत के शांति प्रस्ताव पर रूस विचार करेगा- एलिपोव

एलिपोव ने कहा कि अगर भारत शांति प्रस्ताव रखता है तो रूस उस पर विचार करेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी कहा है कि हम सभी गंभीर प्रस्तावों के लिए तैयार हैं, लेकिन सभी प्रपोपल को संघर्ष के मूल कारण का समाधान करना चाहिए। रूस पहले भी कह चुका है कि वह बातचीत के लिए तैयार है। एलिपोव ने यूक्रेन से संघर्ष में बातचीत और कूटनीति के प्रति भारत के सकारात्मक रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने भारत के निरंतर दृष्टिकोण की सराहना की।

यूक्रेन वॉर पर UNSC में प्रस्ताव, वोटिंग से अलग रहा भारत : भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में अब तक एक तटस्थ रुख अपनाया है। इसकी वजह यह है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही भारत के रणनीतिक साझेदार हैं। भारत सोमवार को यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक प्रस्ताव पर मतदान से अलग रहा।

इस प्रस्ताव में युद्ध को खत्म करने, जल्द से जल्द युद्धविराम और शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया गया था। आर्थिक मोर्चे पर, राजदूत एलिपोव ने माना कि भारत सबसे सस्ती तेल आपूर्ति की तलाश में है। उन्होंने कहा कि रूस सस्ती ऊर्जा का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

तेल आपूर्ति पर भी रूसी राजदूत ने तोड़ी चुप्पी : एलिपोव ने कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने कहा है कि भारत सबसे सस्ते ऑफर की तलाश में है। अमेरिका से सीधी आपूर्ति महंगी होगी और रूस ने अब तक भारत को सबसे सस्ती आपूर्ति प्रदान की है। एक वैश्विक थिंक टैंक के मुताबिक, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता और आयातक देश भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस से 49 बिलियन का कच्चा तेल खरीदा है। भारत ने रूस से तेल खरीदने के अपने फैसले का बचाव किया है।

रक्षा हथियारों की खरीद पर रूस की दो टूक : रक्षा सहयोग के मुद्दे पर, एलिपोव ने रूसी उत्पादों की लागत-प्रभावशीलता और गुणवत्ता का जिक्र करते हुए रक्षा उपकरणों की खरीद में भारत की स्वायत्तता पर जोर दिया। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के माध्यम से घरेलू विनिर्माण पर भारत के फोकस को भी स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि भारत अन्य सोर्स से रक्षा उपकरण और हथियार खरीदने के लिए स्वतंत्र है। अमेरिकी उपकरण रूसी उत्पादों की तुलना में बहुत अधिक महंगे हैं। भारतीय बाजारों में हमारी बहुत मजबूत स्थिति है।

अब जवां नहीं रहा दिल: क्या आपको मालूम है शरीर से पहले बूढ़े हो जाते हैं Body Parts

जालंधर (हर्ष शर्मा): अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक नया रक्त परीक्षण विकसित किया है जो फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोग जैसी लगभग 30 आयु-संबंधी स्थितियों के जोखिम का अनुमान लगा सकता है जो दशकों बाद दिखाई दे सकते हैं। रक्त परीक्षण जोखिम का अनुमान लगाने के लिए मानव शरीर के विभिन्न अंगों की आयु को मापता है। यूके, फ्रांस और यूएस सहित टीम ने कहा कि त्वरित और आसान रक्त परीक्षण यह पहचान करता है कि क्या कोई विशिष्ट अंग अपेक्षा से अधिक तेजी से बूढ़ा हो रहा है - एक ऐसी प्रगति जो व्यक्तिगत रोकथाम और उपचार विधियों का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

तेजी से बढ़ती है हृदय की उम्र

20 वर्षों के अनुवर्ती डेटा पर आधारित निष्कर्षों से पता चला है कि जिस हृदय की उम्र अधिक तेजी से बढ़ती है, उसमें हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है, जबकि फेफड़ों की उम्र बढ़ने से लोगों में श्वसन संक्रमण, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। डिमेंशिया का सबसे ज़्यादा जोखिम उन लोगों में पाया गया जिनकी प्रतिरक्षा प्रणाली सामान्य से ज़्यादा तेज़ी से बूढ़ी हुई। इसी तरह, जिन लोगों की किडनी की उम्र तेज़ी से बढ़ती है, उनमें बाद में संवहनी रोग, टाइप 2 मधुमेह और यकृत रोग विकसित होने की संभावना अधिक होती है, जबकि लगभग सभी अंगों की जैविक उम्र बढ़ने से किडनी रोग का जोखिम बढ़ने की भविष्यवाणी की जाती है।

अंगों की बढ़ती उम्र पूरे शरीर को करती है प्रभावित

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के मस्तिष्क विज्ञान संकाय के प्रमुख लेखक प्रोफेसर मिका किविमाकी ने कहा- द लैंसेट डिजिटल हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि कैसे विशिष्ट अंगों में तेज़ी से बढ़ती उम्र न केवल उस अंग को प्रभावित करने वाली बीमारियों की भविष्यवाणी कर सकती है, बल्कि शरीर के बाकी हिस्सों में भी बीमारियों की भविष्यवाणी कर सकती है। हमारे अंग एक एकीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन वे अलग-अलग दरों पर बूढ़े हो सकते हैं। विशेष अंगों में उम्र बढ़ने से कई उम्र बढ़ने से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं, इसलिए हमारे लिए अपने स्वास्थ्य के सभी पहलुओं का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है।

वैज्ञानिकों ने 20 साल तक की जांच

यूसीएल ब्रेन साइंसेज, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (यूएस), इंसर्म (फ्रांस) और यूनिवर्सिटी ऑफ हेलसिंकी (फिनलैंड) के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय शोध दल ने नौ अंगों (हृदय, रक्त वाहिकाओं, यकृत, प्रतिरक्षा प्रणाली, अग्न्याशय, गुर्दे, फेफड़े, आंत और मस्तिष्क) और पूरे शरीर की जैविक आयु निर्धारित करने के लिए 1990 के दशक के अंत में 6,200 से अधिक मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों से एकत्र किए गए रक्त के नमूनों का विश्लेषण किया। अध्ययन में जांच की गई आयु-संबंधी बीमारियों में से कम से कम एक बीमारी का निदान कई लोगों में किया गया था।

चमगादड़ खाने से फैली एक और रहस्यमयी बीमारी, जानें ये ही क्यों फैलाते हैं खतरनाक वायरस?

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी कांगो में एक अज्ञात बीमारी ने लक्षण दिखने के कुछ ही घंटों के भीतर 50 से अधिक लोगों की जान ले ली है। 21 जनवरी को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में बीमारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से अब तक 53 मौतों सहित लगभग 419 मामले दर्ज किए गए हैं। स्थानीय डॉक्टरों का कहना है कि ज्यादातर मामलों में पहले लक्षण और मौत के बीच का अंतराल 48 घंटे रहा है।

चमगादड़ खाने के बाद फैली ये बीमारी : डब्ल्यूएचओ के अफ्रीका कार्यालय के अनुसार, बोलोको शहर में पहला प्रकोप तब शुरू हुआ जब तीन बच्चों ने चमगादड़ खाया और रक्तस्रावी बुखार के लक्षणों के बाद 48 घंटे के भीतर उनकी मृत्यु हो गई। लंबे समय से इस बात की चिंता रही है कि ऐसी जगहों पर जानवरों से इंसानों में बीमारियां फैल सकती हैं जहां जंगली जानवरों को आम तौर पर खाया जाता है। डब्ल्यूएचओ ने 2022 में कहा कि पिछले एक दशक में अफ्रीका में इस तरह के प्रकोपों की संख्या में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

चमगादड़ों से सबसे ज्यादा घातक वायरस क्यों फैलते हैं?

चमगादड़ ऐसे स्तनधारी जीव हैं जो दुनिया भर में पाए जाते हैं और कई घातक वायरस के प्राकृतिक वाहक माने जाते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि चमगादड़ों से इबोला (Ebola), सार्स (SARS), मर्स (MERS), कोरोना वायरस (COVID-19), निपाह (Nipah) और रेबिज (Rabies) जैसे खतरनाक वायरस इंसानों में फैल सकते हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्यों होता है? आइए जानते हैं चमगादड़ों के शरीर और उनकी विशेषताओं से जुड़े कुछ वैज्ञानिक कारण।

मजबूत और अनोखी इम्यूनिटी

चमगादड़ों का इम्यून सिस्टम बहुत अलग तरह से काम करता है। इनका शरीर वायरस से लड़ने के लिए ज्यादा इंटरफेरॉन (Interferon) प्रोटीनबनाता है, जिससे ये खुद बीमार नहीं होते। वायरस इनके शरीर में बिना नुकसान पहुंचाए लंबे समय तक रहते हैं, जिससे वे सुपर स्प्रेडर बन जाते हैं। जब ये वायरस इंसानों या दूसरे जानवरों में आते हैं, तो उनका इम्यून सिस्टम इसे पहचान नहीं पाता और लोग बीमार हो जाते हैं।

दरअसल चमगादड़ एकमात्र स्तनधारी हैं जो उड़ सकते हैं। उड़ने के दौरान उनकी शरीर का तापमान बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, जिससे वायरस उनके शरीर में एक्टिव बने रहते हैं। यह वायरस के लिएएक ट्रेनिंग ज़ोन की तरह काम करता है, जिससे वे अधिक खतरनाक बन जाते हैं।

सामाजिक जीवन

चमगादड़ हजारों-लाखों की संख्या में झुंड (Colony) बनाकर रहते हैं, जिससे वायरस एक-दूसरे में आसानी से फैलते हैं। इनकी लार, यूरिन (मूत्र), और मल (Guano) में वायरस मौजूद रहते हैं, जो दूसरे जानवरों और इंसानों तक पहुंच सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चमगादड़ कई घातक वायरस के प्राकृतिक मेजबान (Host) होते हैं। इनमें कोरोना वायरस, हेंड्रा वायरस, निपाह वायरस, मारबर्ग वायरस, और इबोला वायरस** शामिल हैं। जब इनका संपर्क मनुष्यों, सूअर, घोड़ों या अन्य जानवरों से होता है, तो वायरस उनमें फैल जाते हैं और महामारी का कारण बनते हैं।

इंसानों के चमगादड़ों के साथ बढ़ते संपर्क

जंगलों की कटाई और शहरीकरण के कारण इंसान अब ज्यादा चमगादड़ों के संपर्क में आ रहे हैं। जंगली चमगादड़ों को खाने या उनकी गुफाओं में जाने से वायरस इंसानों में ट्रांसफर हो सकते हैं। कोरोना वायरस (COVID-19) का पहला मामला भी एकवुहान के सीफूड मार्केट में मिला, जहां चमगादड़ों के संपर्क में इंसान आए थे। चमगादड़ों के शरीर में वायरस लंबे समय तक बिना नुकसान पहुंचाए रहते हैं, जिससे वायरस को अपनी संरचना बदलने (Mutation) का समय मिलता है। यही कारण है कि COVID-19 जैसी बीमारियों में बार-बार नए वैरिएंट (Variants) बनते रहते हैं।

सेब नहीं संतरा भी है फायदेमंद, रोजाना एक संतरा खाने से 20 फीसदी तक रहेंगे तनावमुक्त, रिसर्च में किया गया दावा

अब आप हर दिन एक संतरा खाने से काफी हद तक तनावमुक्त रहेंगे। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल और मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल की स्टडी में इसका खुलासा हुआ है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक संतरा खाने से व्यक्ति में 20 फीसदी तक डिप्रेशन कम हो सकता है। माइक्रोबायोम में प्रकाशित रिसर्च में दावा किया गया है कि अगर आप रोज एक संतरा खाते हैं तो अवसाद यानी डिप्रेशन की बीमारी में कमी आएगी।

विटामिन, खनिज, फाइबर व एंटीऑक्सीडेंट भरपूर

वैज्ञानिक डॉ राज मेहता की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि खट्टे फल आंत में पाए जाने वाले बैक्टीरिया के बढ़ाने में सहायक होते हैं और यह दिमाग के दो रसायनों के उत्पादन को प्रभावित करते हैं, जिन्हें मूड को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है। खट्टे फल विटामिन, खनिज, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। खट्टे फल में सेरोटोनिन और डोपामाइन पाए जाते हैं जो डिप्रेशन को कम करने में मदद करते हैं।

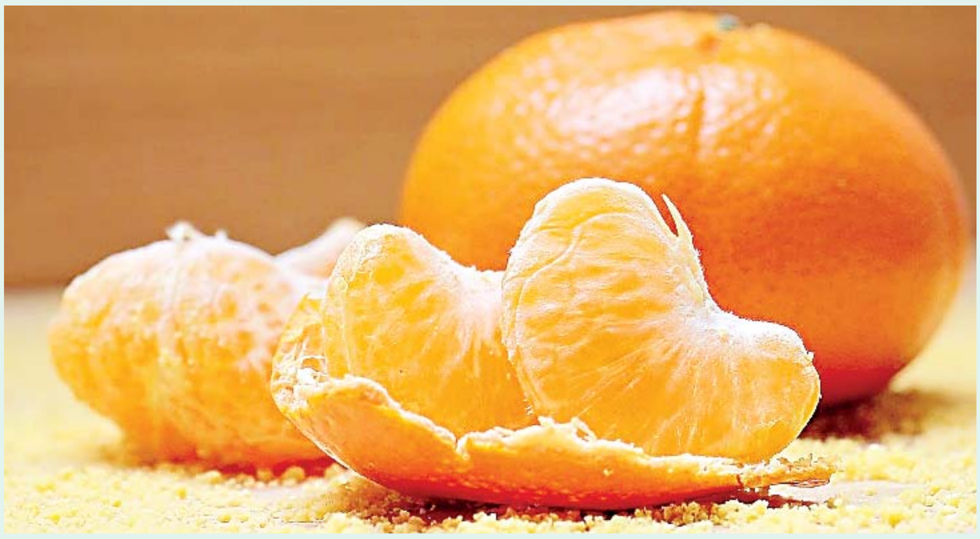

खट्टे फलों में मिलने वाले तत्व मूड के लिए बेहतर : शोधकर्ताओं ने 100,000 से अधिक महिलाओं पर अध्ययन किया है।

अध्ययन में पाया गया कि खट्टे फल जैसे संतरा खाने से अवसाद का जोखिम कम हो जाता है। क्योंकि खट्टे फल फेकैलिबैक्टीरियम प्रूसनिट्जी बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं।

जो मानव आंत में पाए जाने वाला एक प्रकार का गुड बैक्टीरिया होता है। जो न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन और डोपामाइन के बढ़ाता है और यह डिप्रेशन को कम करने में मदद करता है और मूड को बेहतर बनाने में सहयोग करता है।

मानसिक तनाव कम करने के लिए खाएं संतरा

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल और मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के डॉक्टर राज मेहता ने कहा कि संतरे में पाए जाने वाले तत्व आंतों के लिए बेहतर होते हैं और इससे मूड अच्छा रहता है। अगर आप अपनी डाइट में खट्टे फलों को शामिल करते हैं तो आप निश्चित तौर पर अवसाद के जोखिम से कम रह सकते हैं। डॉ राज मेहता ने कहा कि खट्टे फलों में कई गुण होते हैं, जिनमें इम्यून पॉवर को बढ़ावा देना, हेल्दी हार्ट बनाए रखना और पाचन तंत्र में सुधार लाना समेत कई और फायदे हैं।

धनिया के पत्तों का पानी रात में सोने से पहले पिएं, मिलेंगे ये 4 जबरदस्त फायदे

धनिया के पत्तियां ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद है। ये विटामिन सी, विटामिन के और प्रोटीन का भी अच्छा सोर्स है। इसमें बहुत कम मात्रा में कैल्शियम,फास्फोरस, पोटेशियम, थायमिन और कैरोटीन भी पाया जाता है। कुछ लोग इसका इस्तेमाल किसी दूसरी सब्जी के साथ मिलाकर सब्जी बनाने में भी करते हैं। धनिया की पत्ती को चटनी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है। धनिया की पत्तियों में फाइटोन्यूट्रिएंट्स के साथ ही डाइट्री फाइबर, मैंगनीज, आयरन, मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में होता है। हम आपको धनिया के पत्तों का पानी पीने के फायदों के बारे बताने जा रहे हैं...

पेट हेल्दी करें, पाचन सुधारे

धनिया की पत्तियों में एंटी ऑक्सीडेंट्स और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। अगर आप रात के समय अपच और पेट फूलने की समस्या से बचना चाहते हैं तो अपने रात के खाने में धनिया पत्ती और पानी ज़रूर शामिल करें। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज को रोकने में मदद करता है और पेट को हेल्दी रखने में मदद करता है।

शरीर को डिटॉक्सीफाई करे

इसे रात भर पानी में भिगोने के बाद इसका सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। धनिया के पत्ते शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यह किडनी के कार्य को बढ़ावा देता है। भारी धातुओं को खत्म करने में सहायता करता है और खून को साफ करता है।

ब्लड शुगर लेवल मैनेज करे

धनिया का पानी पीने से पाचन में काफी सुधार हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए धनिया के पत्ते का पानी काफी फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर में ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद करता है। यह इंसुलिन फंक्शन को इंप्रूव करता है।

वेट लॉस में भी फायदेमंद हैं

धनिया पत्ती का पानी एक कम कैलोरी वाला होता है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और फैट को तोड़ने में मदद करता है। सोने से पहले इसका सेवन करने से सूजन कम हो सकती है और समय के साथ वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

डिनर में नहीं करना चाहिए ऐसे फूड्स का सेवन, वरना करवट बदलते-बदलते हाथ से निकल जाएगी बात, रातभर रहेंगे परेशान

डिनर में कुछ ऐसा खा लेते हैं जिनसे हाजमा डिस्टर्ब हो जाता है। नींद भी डिस्टर्ब हो जाती है। ऐसे में पूरी रात करवट बदलते बीतती है या फिर वॉशरूम का चक्कर लगाते हुए।

नींद पूरी न होने से दिमाग की काम करने की क्षमता भी प्रभावित होती है। इसके चलते अगला दिन भी हमारे लिए मुश्किल भरा साबित हो सकता है। रात में सोने के समय हमारा पाचन तंत्र धीमा हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप डिनर में ऐसे ही फूड्स का ही सेवन करें, जो आसानी से पच जाते हों। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बता रहे हैं...

मैदा, वसायुक्त भोजन से करें परहेज

आपको डिनर में मैदा, ऑयली फूड वसायुक्त भोजन करने से बिल्कुल ही परहेज करना चाहिए। ये फूड्स अपच की वजह बन सकते हैं, जिसके चलते आपको पेट में जलन या फिर एसिडिटी की दिक्कत हो सकती है। इन फूड्स में चीजबर्गर, फ्राइज, तले हुए खाद्य पदार्थ और चिकन शामिल हैं।

बार-बार वॉशरूम के लिए मजबूर

वैसे पानी का भरपूर सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। डॉक्टर भी उच्च जल सामग्री वाले फूड्स के सेवन करने की सलाह देते हैं। हालांकि, डिनर के दौरान इन फूड्स का सेवन अच्छा आइडिया नहीं है। दरअसल, रात में इन फूड्स का सेवन बार-बार वॉशरूम जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

डिनर में खट्टे फल भी खाना गलत

रात के समय खट्टे फल, कच्चा प्याज जैसे फूड्स जिन्हें डिनर में खाने से बिल्कुल ही परहेज करना चाहिए वर्ना रात आपके लिए काफी तकलीफदेह साबित हो सकती है। इन फूड्स का सेवन पेट में एसिडिटी पैदा कर सकते हैं। इसके चलते आपकी नींद में खलल पड़ सकती है।

डिनर के वक्त हल्का भोजन करें

रात के समय अधिक फाइबर युक्त फूड्स के सेवन से भी बचना चाहिए। दरअसल, इन्हें पचाने में थोड़ा वक्त लगता है। रात में वैसे ही पाचन तंत्र धीमा हो जाता है। ऐसे में ये फूड्स पेट में भारी गैस बना सकते हैं। यह आपकी नींद के लिए अच्छी बात नहीं हैं। सोने से पहले इनका सेवन करने से बचें।